Aparajitha

सफलता के बीज

त्रैमासिक पत्रिका

जुलाई - सितंबर 2019

जागरुकता से परिवर्तन

31
अंक

केवल निजी संचरण के लिए

विषय-सूची

नमस्ते! 2

TTT एप 3

टिम टिम तारे शिक्षक प्रशिक्षण 4

कला के माध्यम से जीवन कौशल शिक्षा. . 5

खेल-कूद प्रशिक्षण कैम्प के प्रतिभागी 7

गूँज 8

अपराजिथा फाउंडेशन्स
5A, वी.पी.रथिनासामी रोड
बीबीकुलम
मदुरई- 625002.

0452-4375252

info@aparajitha.org

नमस्ते!

समुद्र की गहराई मापने के लिए, ध्वनि की लहरों को पानी के नीचे एक यंत्र के द्वारा भेजा जाता है। वे लहरें समुद्र की तह तक पहुँचकर एक गूँज के रूप में वापिस आती हैं। गहराई को मापने के लिए यह देखा जाता है कि, लहरों को नीचे पहुँचने के बाद गूँज बनकर ऊपर आने में कितना समय लगा। पानी में ध्वनि की गति के आधार पर यह मापा जाता है। अपराजिथा फाउंडेशन में हम, विद्यार्थियों पर थलिर थिरन थिट्टम (TTT) के प्राभव को मापना चाहते हैं। इस उद्देश्य से हमने "TTT Aparajitha" नामक मोबाइल एप बनाया है, ताकि हमें विद्यार्थियों में आ रहे परिवर्तन के बारे में नियमित रूप से जानकारी मिल सके। पत्रिका के पहले भाग में इसकी विस्तृत जानकारी दी गई है।

जिस तरह गहराई मापने वाले कोई यंत्र को चलाने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, उसी तरह जीवन कौशल व मूल्य सिखाने वाले शिक्षकों को भी प्रशिक्षण की ज़रूरत होती है। दूसरे विभाग में इस बारे में बताया गया है।

समुद्र की गहराई को मापने का तरीका और समुद्र तल को मापने का तरीका अलग होता है। इसी प्रकार, ग्रीष्मकालीन कैम्प के दौरान जीवन कौशल शिक्षा प्रदान करने के लिए अलग-अलग तरीकों का प्रयोग किया गया जाता है। विभाग तीन और चार में इस बारे में चर्चा की गई है।

आइए पढ़ें....

अपने विचार साझा करें...

अपने दोस्तों और साथियों को बताएँ...

आपके निरंतर सहयोग और सुझावों की आशा करते हुए -

संपादकीय टीम

टिम टिम तारे, कक्षा *7* से *12* के विद्यार्थियों को जीवन कौशल शिक्षण प्रदान करता है। डबल्यूएचओ *(WHO)* द्वारा दिए गए दस कौशलों की सूची के आधार पर बनाए गए ये पाठ विद्यार्थियों को सुखद आनुभविक शिक्षा प्रदान करते हैं। प्राथमिक स्तर पर ये पाठ शिक्षकों की पुस्तिका के आधार पर और माध्यमिक व उच्च स्तर पर विडियो द्वारा करवाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य है विद्यार्थियों को ज़िम्मेदार नागरिक बनाना और *2008-2009* के दौरान इसे *5* उच्च माध्यमिक स्कूलों में प्रारंभ किया गया था। *2009-10* में इसे तमिलनाडु सरकार द्वारा, तमिल नाडु के सभी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों में लागू किया गया। इसके पश्चात, ये प्राथमिक स्कूलों, सरकार की सहायता से चलने वाले निजी स्कूलों और इस कार्यक्रम में रुचि दिखाने वाले आन्य स्कूलों में लागू किया गया। अब यह कार्यक्रम6राज्यों में कार्यान्वित है- तमिल नाडु, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और हरियाणा।

TTT एप

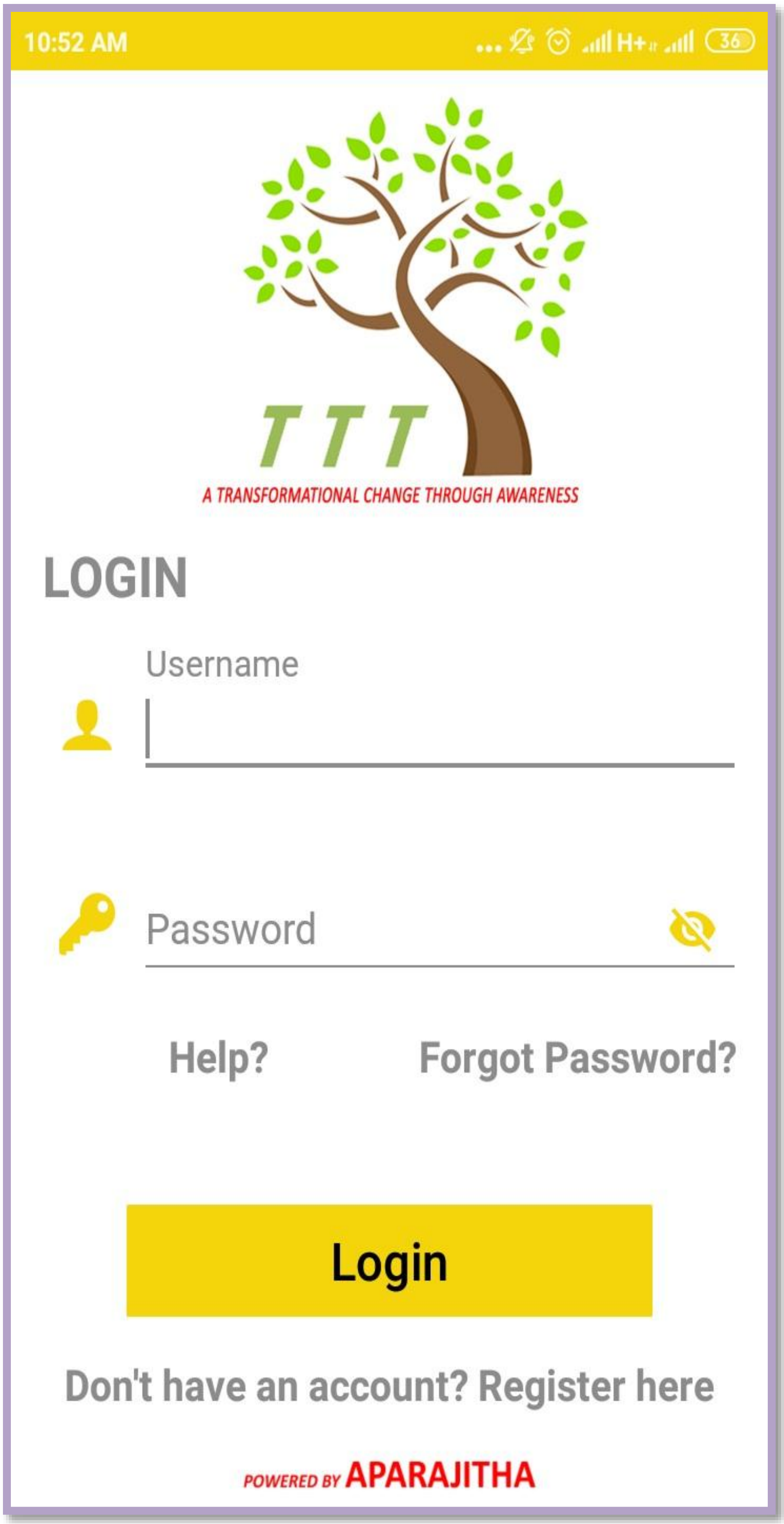

TTT के माध्यम से अब 3 भाषाओं में, 6 राज्यों के 79,195 स्कूलों में एक करोड़ से भी ज़्यादा विद्यार्थियों को जीवन कौशल शिक्षा प्रदान की जाती है। एक एप बनाया गया है, जिसकी मदद से हम TTT के प्रभाव के बारे में जान सकते हैं, विद्यार्थियों में आ रहे परिवर्तन को नोट कर सकते हैं और TTT को लागू करने से संबंधित जानकारी शिक्षकों तक पहुँचा सकते हैं।

यह एप गूगल प्लेस्टोर पर उपलब्ध है। **TTT Aparajitha** के नाम से सर्च करें और फिर इस एप को डाउनलोड करके, फोन पर आवश्यकता अनुसार सेटिंग करें। संयोजक / शिक्षक इस एप में लॉग इन करके अपना पासवर्ड सेट कर सकते हैं। विद्यार्थियों को दिखाए गए विडियो और क्लास में की गई गतिविधियों के बारे में सारी जानकारी इस एप पर अपलोड की जा सकती है।

कई शिक्षक इस एप का नियमित रूप से प्रयोग करते हुए, अपराजिथा के साथ सारी जानकारी तुरंत साझा कर रहे हैं।

- *कृष्णा*

टिम टिम तारे शिक्षक प्रशिक्षण

5 मार्च 2019 को हिमाचल प्रदेश और TTT (हिन्दी) के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस दिशा में पहला कदम उठाते हुए, 55 जिला प्रोजेक्ट ऑफिसर और ब्लॉक संसाधन केंद्र समन्वयकों को, 9 अप्रेल 2019 के दिन, शिमला में TTT के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। दूसरे चरण में 13 जून से 25 जुलाई के बीच 11 जिलों में कार्यरत 4000 शिक्षकों को ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

1 मई 2018 को दिए गए निर्देश के अनुसार, हर महीने के चौथे शनिवार को प्रत्येक स्कूल में **बस्ता मुक्त दिवस** होता है। इसका उद्देश्य है पढ़ाई-लिखाई से आगे जाकर, बच्चों के संपूर्ण विकास पर ध्यान देना। इस दिन स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है और अन्य गतिविधियाँ करवाई जाती हैं। इस शैक्षिक वर्ष से, राज्य के 2200 उच्च विद्यालयों और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में टिम टिम तारे लागू किया जाएगा। प्रशिक्षित शिक्षक जल्द ही जीवन कौशल शिक्षा के सत्र आयोजित करने लगेंगे।

- रूनम कौशिक

कला के माध्यम से जीवन कौशल शिक्षा

"हम सुनते हैं और भूल जाते हैं; हम चर्चा करते हैं तो याद रहता है; हम अपने हाथों से करके देखते हैं और सब सीख जाते हैं" - इसलिए अनुभव और गतिविधियों से जो सीखा जाता है, वह हमेशा याद रहता है। TTT की रचना भी इसी सिद्धांत पर की गई थी। तमिलनाडु, गुजरात और हरियाणा के विद्यार्थियों के लिए जीवन कौशल शिक्षा के ग्रीष्मकालीन कैम्प आयोजित किए गए थे। इन कैम्पों में स्थानीय वातावरण और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए बच्चों के लिए विशेष गतिविधियाँ रखी गई थीं।

तमिलनाडु

अपराजिथा फाउंडेशन पिछले तीन वर्षों से ग्रीष्मकालीन कैम्प कर रहा है। जीवन कौशल शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न तरीकों का प्रयोग किया जा रहा है। इस वर्ष का विषय था 'कला के माध्यम से जीवन कौशल शिक्षा'। पाँच दिनों की अवधि के दो कैम्प रखे गए थे - 6 से 10 मई YMCA स्कूल में, और 13 से 17 मई अन्नई नगर में। विभिन्न गतिविधियों का प्रयोग करते हुए, 80 बच्चों ने जीवन कौशल के पाठ सीखे। पहेलियाँ, नारियल के छिलकों से खिलौने व गुड़िया बनाना, हस्तकला, चित्रकला, लघु नाटक और कठपुतली का खेल - ये सब गतिविधियाँ कैम्प में करवाई गईं थीं।

गुजरात

एक दिन की अवधि वाले चार कैम्प अहमदाबाद (गुजरात) में आयोजित किए गए। इसमें 294 विद्यार्थियों ने भाग लेकर जीवन कौशल सीखे। इनका विवरण नीचे दिया गया है:-

स्थान	दिनांक	विद्यार्थियों की संख्या	विषय
लपकमन	4 मई	58	मित्रता
छारोड़ी	16 अप्रैल	54	शौक
मेहमदपुरा	18 अप्रैल	98	लक्ष्य बनाना
रामापीर नो टेकरो	17 अप्रैल	84	शिष्टाचार, सभ्य व्यवहार अपने रूप-रंग पर ध्यान देना

हरियाणा

हर वर्ष हरियाणा राज्य सरकार द्वारा ग्रीष्मकालीन एडवेन्चर कैम्प आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष यह कैम्प पंचकुला जिले के माल्ला गाँव में आयोजित हुआ। पाँच दिनों की अवधि वाले 6 कैम्प रखे गए। ये कैम्प 1 जून से 30 जून 2019 के बीच आयोजित हुए। इसमें हरियाणा के 119 पंचायत समूहों से, 107 शिक्षिकाओं और 988 छात्राओं ने भाग लिया। इन कैम्पों में टिम टिम तारे के पाठों से लिए गए इन विषयों पर ध्यान दिया गया - बाधाओं को पार करना, आत्म-दया से बचना, उचित तरीके से असहमत होना, साथियों के दबाव से बचना, निर्णय लेना और समय का प्रबंधन।

- *भरत भूषण*

खेल-कूद प्रशिक्षण कैम्प के प्रतिभागी

डबल्यू एच ओ (WHO) के अनुसार सकारात्मक नज़रिया अपनाना, कठिन परिस्थितियों में भी आशावान रहना और समस्याओं को हल करने का प्रयास करना - ये जीवन कौशल शिक्षा का अभिन्न हिस्से हैं। खेल-कूद के माध्यम से किशोर बालक व बालिकाओं को ये कौशल सिखाने के लिए, हर वर्ष खेल-कूद प्रशिक्षण के कैम्प आयोजित किए जाते हैं। ये कैम्प टी.वी. सुंदरम अयंगर उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित होते हैं। अपराजिथा फाउंडेशन की ओर से 200 बालिकाओं व बालकों को इस वर्ष के कैम्प में टी-शर्ट दिए गए।

- सेंथिल कुमार

गूँज!

आपके अथक प्रयास सराहनीय हैं। बधाइयाँ।

- के. दुर्गा
ट्रस्टी, अपराजिथा फाउंडेशन, मदुरई

इस महत्त्वपूर्ण पड़ाव तक पहुँचने के लिए बधाई। मेरी यही कामना है कि आप और भी सफलताएँ प्राप्त करें। आपके काम से मुझे बहुत प्रेरणा मिलती है।

- गौतम
USA

खेल और गतिविधियों के माध्यम से TTT, बच्चों को मूल्यों व जीवन के कौशल के बारे में सिखाता है। मेरी यह अभिलाषा है कि यह कार्यक्रम देश के सभी बच्चों तक पहुँचे।

- अर्चनाबेन चौधरी
जिला प्राथमिक शिक्षा ऑफिसर, वडोदरा, गुजरात

एक करोड़ बच्चों तक पहुँचने के लिए आपको बहुत-बहुत बधाई हो। यह एक महान उपलब्धी है और मुझे गर्व है कि मैं इस पथप्रवर्तक कार्यक्रम का हिस्सा रही हूँ। आगे बढ़ते रहने के लिए अपराजिथा फाउंडेशन को मेरी शुभकमानाएँ। मुझे विश्वास है कि यह कार्यक्रम देश के कोने-कोने तक पहुँचेगा।

-प्रीति
नोएडा

TTT इतने सारे बच्चों तक पहुँच गया, यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई।

-एस. वेंकटेश कुमार
मुख्य वित्तीय ऑफिसर, ACSL, मदुरई.

यह कार्यक्रम दिन-प्रतिदिन नई ऊँचाइयों को छू रहा है, बधाइयाँ!

- एम. बालगुरु
मुख्य ऑपरेटिंग ऑफिसर, ACSL, मदुरई

भारत के एक करोड़ से भी ज़्यादा बच्चों तक पहुँचकर उनके जीवन में परिवर्तन लाने के लिए TTT और हमारी प्रबंधक समिति को बधाइयाँ।

- दिलीप कुमार
ऑपरेशन्स मेनेजर - पूर्व भारत, ACSL, कोलकाता

एक करोड़ के पड़ाव तक पहुँचने के लिए हार्दिक बधाइयाँ। करोड़ों और बच्चों तक पहुँचने के लिए शुभकामनाएँ।

- डॉ. एस. वेंकटेश
सीनियर प्रोसेस एनेलिस्ट, ACSL, मदुरई